कामये दुरवतमानाम्।
प्राणिनाम् आर्तिनाशनम्॥

जागृति

वर्ष:64 अंक-4 मुम्बई मार्च 2020

चलती-फिरती मधुवाटिका का उद्घाटन

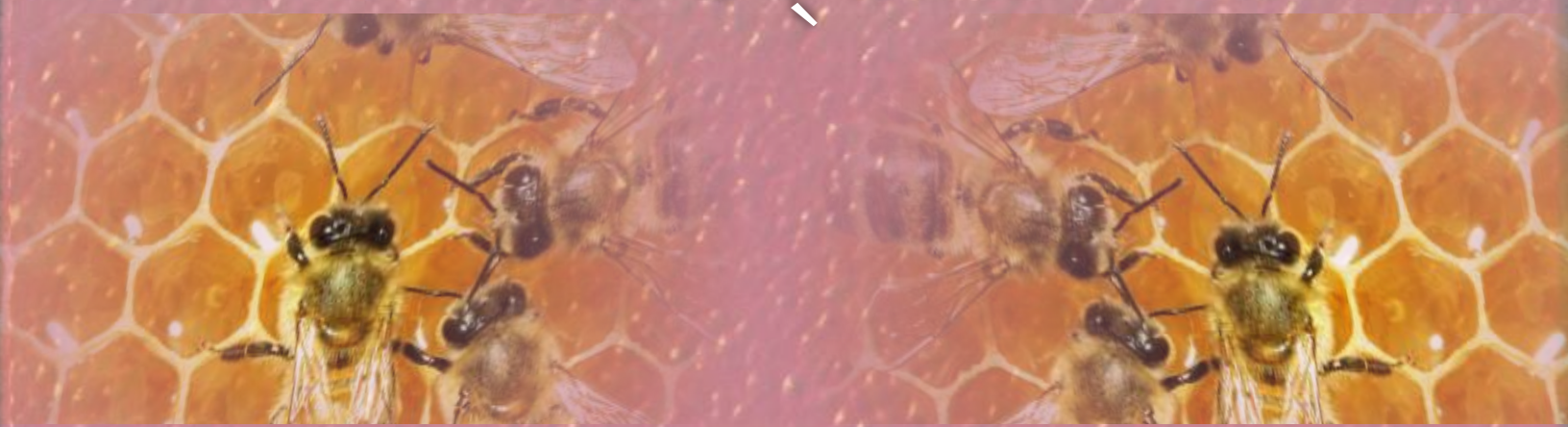

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की औद्योगिकीकरण विषयक मासिक पत्रिका
खादी और ग्रामोद्योग आयोग

जागृति

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की औद्योगिकीकरण विषयक मासिक पत्रिका

वर्ष 64 अंक-4 मुंबई मार्च 2020

सम्पादकीय मण्डल

अध्यक्ष
श्रीमती प्रीता वर्मा

संपादक
एम. राजन बाबू

उप संपादक
सुबोध कुमार

वरिष्ठ हिंदी अनुवाद अधिकारी
सरस्वती खनका

डिजाईन व पृष्ठसज्जा
सुबोध कुमार

प्रचार, फ़िल्म एवं लोक शिक्षण
कार्यक्रम निदेशालय द्वारा
खादी और ग्रामोद्योग आयोग,
ग्रामोदय, 3 इर्ला रोड,
विले पार्ले (पश्चिम), मुंबई -400056
के लिए ई-प्रकाशित
ईमेल: kvicpub@gmail.com
वेबसाइट: www.kvic.org.in

आवश्यक नहीं कि पत्रिका में प्रकाशित लेखों तथा विचारों से खादी और ग्रामोद्योग आयोग अथवा संपादक सहमत हों

इस अंक में.....

समाचार सार ..... 3 से 17

माननीय उपराष्ट्रपति श्री एम. वेंकैया नायडू को एमएसएमई मंत्री द्वारा टाइटन खादी सीमित संस्करण घड़ी और खादी रुमाल भेंट .....

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री श्री नितिन गडकरी ने चलती-फिरती मधुवाटिका को रवाना किया.....

खादी और ग्रामोद्योग आयोग का हनी मिशन कार्यक्रम, वानस्पतिक और जीवजंतु समृद्ध अरुणाचल प्रदेश तक पहुँचा.....

महिलाओं के पास दुनिया को बदलने की शक्ति है, आयोग के डा. अंबेडकर ग्रामीण प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन संस्थान, नासिक में महिलाओं के लिए एक उद्यमशीलता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया.....

स्फूर्ति योजना के तहत 100 लक्ष्यांक के सापेक्ष 2018-20 के दौरान 154 क्लस्टरों को मंजूरी दी गई.....

एनआईएमएसएमई, हैदराबाद में राज्य खादी और ग्रामोद्योग बोर्डों की कार्यशाला और समीक्षा बैठक.....

कुम्हारी पर आयोग की पहली अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला.....

आयोग के राज्य कार्यालय, उत्तराखंड ने उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में पीएमईजीपी के तहत उद्यमियों के लिए ईडीपी प्रशिक्षण का आयोजन किया.....

पीएमईजीपी कार्यक्रम की सफल कहानियां .....18 से 20

बंजारा समाज की महिलाओं के लिए आजीविका के स्थायी स्रोत के रूप में पारंपरिक हस्तशिल्प बनाने हेतु अथक प्रयासः *विजया श्रीराम पवार*

परफेक्ट - मतलब, गुणवत्ता पर खरा उतरना

प्रेस कवरेज 21

माननीय उपराष्ट्रपति श्री एम. वेंकैया नायडू को एमएसएमई मंत्री द्वारा टाइटन खादी सीमित संस्करण घड़ी और खादी रुमाल भेंट

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री श्री नितिन गडकरी ने चलती-फिरती मधुवाटिका को रवाना किया

पहली बार, खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा की गई एक नई पहल ने पूरे भारत में मधुमक्खी पालकों और किसानों के बीच अति उत्साह का संचार किया है। केन्द्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) मंत्री श्री नितिन गडकरी ने दिल्ली में 13 फरवरी, 2020 को चलती-फिरती मधुवाटिका को रवाना किया। मधुमक्खियों को आसानी से पालने और उनके बक्सों को आसानी से एक जगह से दूसरी जगह ले जाने के लिए खादी ग्रामोद्योग (केवीआईसी) की यह अनोखी संकल्पना है। इस अवसर पर खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं पदाधिकारी मौजूद थे।

केवीआईसी के अध्यक्ष को बधाई देते हुए श्री नितिन गडकरी ने कहा, "मधुमक्खी पालन देखने में आसान लगता है लेकिन उसमें अनेक पेचीदा दिक्कतें हैं जिन्हें केवल एक मधुमक्खी पालक ही समझ सकता है। चलती-फिरती मधुवाटिका मधुमक्खियों को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाने, उनके रखरखाव के साथ मधुमक्खी पालन को आसान बनाएगी। इसके अलावा इससे मधुमक्खियों को भयंकर गर्मी में भी बनाए रखने में मदद मिलेगी।"

प्रधानमंत्री की संकल्पना से जुड़े, केवीआईसी के शहद मिशन की 2017 में शुरूआत की गई थी और इसमें मधुमक्खी पालकों को प्रशिक्षण, मधुमक्खी पालने के बक्सों का वितरण किया जा रहा है और ग्रामीण शिक्षित लेकिन बेरोजगार युवकों को उनके दरवाजे पर मधुमक्खी पालने से जुड़े कार्यों के जरिये अतिरिक्त आमदनी कराने में मदद की जा रही है। मधुमक्खियों को पालने का काम कठिन और मानसिक दृष्टि से चुनौतीपूर्ण है जैसे मधुमक्खी पालन के बक्सों को युक्तिपूर्ण अवस्था में रखना ताकि उन्हें फूलों से पर्याप्त पराग मिल सके, गर्मी के दौरान मधुमक्खियों की परवरिश करना और मधुमक्खियों की पोषण जरूरतों को पूरा करने के लिए

परिस्थितियों के अनुसार उनके बक्सों को एक जगह से दूसरी जगह पर ले जाना। खादी ग्रामोद्योग निरंतर नये तरीके निकाल रहा है ताकि इस प्रक्रिया को और आसान तथा सरल बनाया जा सके।

चलती-फिरती मधुवाटिका के फायदों को उजागर करते हुए, आयोग के अध्यक्ष श्री वी. के. सक्सेना ने कहा, "चलती-फिरती मधुवाटिका मधुमक्खी पालकों के सामने आने वाली चुनौतियों को दूर करने के लिए एक समग्र दृष्टिकोण है। इसे मधुमक्खी पालन में लगने वाली मेहनत और मधुमक्खियों की परवरिश लागत को कम करना तथा मधुमक्खी पालने के बक्सों में उनका पालन पोषण तथा भारत में जीवित मधुमक्खियों की कालोनी बनाना है। यह नई सोच का एक उदाहरण है जिसे केवीआईसी ने भारत के अधिकतम लोगों को लाभ पहुंचाने और उनके दरवाजे पर आजीविका का साधन पैदा करने के लिए अपनाया है।

चलती-फिरती मधुवाटिका एक प्लेटफॉर्म है जो बिना किसी कठिनाई के मधुमक्खी पालने वाले 20 बक्सों को ले जा सकती है। चलती-फिरती मधुवाटिका के दोनों तरफ लगे दो विशाल पहिये और अलग दरवाजों के साथ 4 अलग कक्ष, जिनमें मधुमक्खी पालन के 5 बक्से हैं जिनमें से प्रत्येक जीवित मधुमक्खियों की कालोनियों के साथ छेड़छाड़ किए बिना प्लेटफॉर्म को यथावत रखने में मदद करता है। चलती-फिरती मधुवाटिका को एक सौर पैनल प्रणाली से भी जोड़ा गया है जो 35 डिग्री सेंटीग्रेड या उससे अधिक तापमान पहुंचने पर कक्ष के भीतर एक पंखे को स्वत: चालू कर देता है। इतना ही नहीं, चलती-फिरती मधुवाटिका में चीनी की ड्रिप भी है जो गर्मियों के मौसम में मधुमक्खियों तक भोजन पहुंचाने में मदद करती है।

आयोग के अध्यक्ष ने कहा, चलती-फिरती मधुवाटिका एक जुड़ी हुई वस्तु (अटैचमेंट) की तरह है जिसे किसी ट्रैक्टर या ट्रॉली के साथ आसानी से जोड़ा जा सकता है और किसी भी उपयुक्त स्थान तक खींचकर ले जाया जा सकता है। खासतौर से, गर्मियों में, मधुमक्खी पालक आमतौर पर उनके पालन के लिए देसी तरीका अपनाते हैं और इस प्रक्रिया में अनेक मधुमक्खियां मर जाती हैं। मधुमक्खियों को एक जगह से दूसरी जगह ले जाने, सौर पैनल की मदद से कूलिंग और चीनी केड्रिप की मदद से मधुमक्खियों के जीवन के लिए जोखिम नहीं रहेगा, उनके बक्सों और कॉलोनियों को होने वाला नुकसान रूक सकेगा गुणवत्तापूर्ण शहद उत्पादन में मदद मिलेगी।

प्रमुख परियोजना के रूप में चलती-फिरती मधुवाटिका को स्थानीय मधुमक्खी पालकों और केवीआईसी की देखरेख में दिल्ली सीमा के नजदीक सरसों के खेतों के नजदीक रखा जाएगा और सफलता के बाद इस संकल्पना को भारत भर में बड़े पैमाने पर लगाया जा सकेगा।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग का "हनी मिशन" कार्यक्रम, वानस्पतिक और जीवजंतु समृद्ध अरुणाचल प्रदेश तक पहुँचा

खादी और ग्रामोद्योग आयोग का #हनी मिशन कार्यक्रम, वानस्पतिक और जीवजंतु समृद्ध अरुणाचल प्रदेश तक पहुँचता है। इटानगर में 1000 किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले शहद के उत्पादन के लिए 1000 बी बॉक्स वितरित किए गए। आयोग 31 मार्च से पहले एक और 1500 बी बॉक्स वितरित करेगा।

अरुणाचल प्रदेश में 1000 किसानों को 1000 बी बॉक्स वितरित किए गए।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) पूर्वोत्तर क्षेत्र के किसानों को सशक्त बनाने का निरंतर काम कर रहा है ताकि वहां के किसान एमएसएमई की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से अतिरिक्त आय की प्राप्ति कर सकें। केवीआईसी के अध्यक्ष श्री वी. के. सक्सेना ने 100 किसानों को मधुमक्खी पालन के 1,000 बक्से वितरित किए। इस अवसर पर अरुणाचल खादी बोर्ड के अध्यक्ष श्री तागे ताकी तथा अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित थे।

शहद मिशन कार्यक्रम के महत्व की चर्चा करते हुए श्री वी. के. सक्सेना ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश में फूल पौधों की प्रचूरता है और यहां शहद उत्पादक राज्य बनने की क्षमता है लेकिन इसका पूरा दोहन नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि ऊंचाई से निकाल गया शहद एंटीऑक्सीडेंट्स में संपन्न हैं और इसे ऊंची कीमत पर बेचा जा सकता है।

उन्होंने कहा कि पराग, प्रोपोलिस, रॉयल जेली तथा बी वेनम जैसे उत्पाद बेचने योग्य हैं और मजदूरी के लिए शहरों में जाने वाले किसानों को इन उत्पादों की बिक्री से सहायता

मिलेगी। उन्होंने बताया कि हाल की रिपोर्ट के अनुसार भारत में 200 मिलियन मधुमक्खी के छत्ते की क्षमता है जबकि आज देश में 3.4 मिलियन मधुमक्खी के छत्ते हैं। उन्होंने कहा कि मधुमक्खी के छत्तों की संख्या बढ़ाने से न केवल मधुमक्खी से जुड़े उत्पादों में वृद्धि होगी बल्कि पूर्वोत्तर क्षेत्र में कृषि तथा बागवानी उत्पादों को समग्र रूप से प्रोत्साहन मिलेगा।

केवीआईसी ने 2017 से केवल पूर्वोत्तर क्षेत्र में मधुमक्खी पालन के 30,000 बक्सों का वितरण किया है। इससे लगभग 3,000 शिक्षित बेरोजगार किसानों के लिए मधुमक्खी उत्पादन में अतिरिक्त रोजगार मिल रहा है। इस वर्ष केवीआईसी की योजना अरुणाचल प्रदेश में मधुमक्खी पालन के 2,500 बक्से वितरण करने की है जबकि लक्ष्य अगले वर्ष मधुमक्खी पालन के 10,000 बक्सों को वितरित किया जाना है।

1960 के बाद पहली बार केवीआईसी ने पूर्वोत्तर क्षेत्र में खादी कारीगरों को प्रोत्साहित करने के लिए दो नए खादी संस्थानों – यूथ फॉर सोशल वेलफेयर, तवांग तथा रूरल डेवलपमेंट सोसाइटी, पपुम पारे- को पंजीकृत किया है।

यह पहली बार गौरव का क्षण है, जब गुवाहाटी बेबी मेधी और संतू चौधरी की 2 महिला उद्यमियों को पीएमईजीपी के तहत अपनी अगरबत्ती निर्माण इकाई स्थापित करने के लिए ऋण मिला।

मधुमक्खी पालकों की प्रशंसा

8 फरवरी को अहमदाबाद में गुजरात के सफल मधुमक्खी पालनकर्ताओं के लिए श्री विनय कुरम सक्सेना के अध्यक्ष केवीआईसी ने सराहना प्रमाणपत्र और आईडी कार्ड वितरित किए।

शबाना पठान गुजरात के पालनपुर की एक मधुमक्खी पालक हैं, जिन्हें हनी मिशन के तहत दिसंबर 2018 में 10 मधुमक्खी के बक्से दिए गए थे। उसके पास अब 130 मधुमक्खी के डब्बे हैं और अब तक 3300 किलो शहद निकाला जा चुका है, जिसे वह बनास डेयरी को रु .30 / किग्रा की आपूर्ति कर रही है।

महिलाओं के पास दुनिया को बदलने की शक्ति है,

आयोग के डा. अंबेडकर ग्रामीण प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन संस्थान, नासिक में महिलाओं के लिए एक उद्यमशीलता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

स्फूर्ति योजना के तहत 100 लक्ष्यांक के सापेक्ष 2018-20 के दौरान 154 क्लस्टरों को मंजूरी दी गई

केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम और सड़क परिवहन व द्रुतमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी ने एक लिखित जवाब में लोकसभा को सूचित किया कि पारंपरिक उद्योग और कारीगर को बढ़ावा देने के लिए पारंपरिक उद्योगों के उत्थान के लिए निधि योजना(स्फूर्ति) के 100 लक्ष्यांक के सापेक्ष 2018-20 के दौरान 154 क्लस्टरों को मंजूरी दी गई है। 2018-19 में, 70 प्रस्तावों और 2019-20 में (31.01.2020 तक), 84 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई है, जो कि 2014-15 से 2017-18 की अवधि से पर्याप्त अधिक वृद्धि है, जबकि 12 वीं पंचवर्षीय योजना अवधि के दौरान स्थापित किए जाने वाले क्लस्टर, 71 के लक्ष्य के सापेक्ष 2017-18 तक 72 क्लस्टर स्वीकृत किए गए थे।

उन्होंने कहा कि इन क्लस्टरों को पूर्वोत्तर क्षेत्र और अंडमान और निकोबार सहित पूरे देश में स्थापित किया गया है। अब तक 54 क्लस्टर सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं, जिनमें से 51 क्लस्टरों को 2019-20 (31.01.2020 तक) के दौरान चालू किया गया था। स्फूर्ति के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों में खादी उत्पाद, शहद और संबंधित उत्पाद, कॉयर और संबंधित उत्पाद, हैंडलूम, पारंपरिक पोशाक निर्माण, हस्तशिल्प, पारंपरिक कला जैसे - कलामकारी, डोकरा कला, ऐपन कला, खाद्य प्रसंस्करण, बांस उत्पाद आदि शामिल हैं।

मंत्री ने यह भी बताया कि स्फूर्ति योजना का मुख्य उद्देश्य पारंपरिक उद्योगों और कारीगरों को समूहों में संगठित करना है ताकि उन्हें प्रतिस्पर्धी बनाया जा सके, उनकी दीर्घकालिक स्थिरता के लिए सहायता प्रदान की जा सके, पारंपरिक उद्योग कारीगरों और ग्रामीण उद्यमियों के लिए निरंतर रोजगार प्रदान किया जा सके, जिससे उत्पाद विपणन क्षमता में वृद्धि हो सके। योजना दो हस्तक्षेप अर्थात हार्ड इंटरवेंशन और सॉफ्ट इंटरवेंशन के रूप में समर्थन प्रदान करता है। हार्ड इंटरवेंशन में कॉमन फैसिलिटी सेंटर्स (सीएफसी), रॉ मटेरियल बैंक (आरएमबी), प्रोडक्शन इन्फ्रास्ट्रक्चर के अपग्रेडेशन, टूल्स और टेक्निकल अप-ग्रेडेशन आदि शामिल हैं। सॉफ्ट इंटरवेंशन्स में काउंसलिंग, ट्रस्ट बिल्डिंग, स्किल डेवलपमेंट और क्षमता निर्माण आदि शामिल हैं।

श्री गडकरी ने आगे कहा कि इस योजना को 2014-15 में संशोधित किया गया और 2017-18 में और संशोधित किया गया। संशोधित योजना के तहत, दो प्रकार के क्लस्टर स्थापित किए गए हैं।

एक नियमित क्लस्टर(500 कारीगरों तक) के लिए 2.50 करोड़ और बड़े क्लस्टर (500 से अधिक कारीगर) के लिए 5.00 करोड़ रु की अधिकतम वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई गई है। योजना की पहुंच का विस्तार करने के लिए, 2019-20 के दौरान मौजूदा 8 नोडल एजेंसियों के अलावा 20 और नोडल एजेंसियों को नियुक्त किया गया है।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग को स्फूर्ति दिशानिर्देशों के अनुसार हनी क्लस्टर विकसित करने के लिए भी कहा गया है।

एनआईएमएसएमई, हैदराबाद में राज्य खादी और ग्रामोद्योग बोर्डों की कार्यशाला और समीक्षा बैठक

हैदराबाद के एनआइएमएसएमइ में 25 फरवरी 2020 को राज्य खादी और ग्रामोद्योग बोर्ड की कार्यशाला और समीक्षा बैठक आयोग के माननीय अध्यक्ष कीअध्यक्षता में संपन्न हुई, इस बैठक में आयोग की मुख्य कार्यकारी अधिकारी, वित्तीय सलाहकार, संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी, सभी उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं राज्य निदेशकों और राज्य खादी और ग्रामोद्योग बोर्डों के अध्यक्ष व मुख्य कार्यकारी अधिकारियों ने बैठक में भाग लिया।

अगरतला में लगभग 107 छात्रों ने भाग लिया

भोपाल

विज़ाग

मुम्बई

आयोग के राज्य कार्यालय, भुवनेश्वर द्वारा जीएम विश्वविद्यालय, संबलपुर में 24 फरवरी, 2020 को पाँच दिवसीय राष्ट्रीय स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम (एनएलएपी) का आयोजन किया, जिसमें लगभग 162 छात्रों ने भाग लिया।

आयोग के राज्य कार्यालय, देहरादून, उत्तराखंड ने 24.2.2020 से कई जागरूकता कार्यक्रमों (एनएलएपी) का आयोजन किया। विभिन्न स्थानों पर इन कार्यक्रमों में क्रमशः 125+ 80 + 250 प्रशिक्षुओं ने भाग लिया।

राष्ट्रीय स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन 19.02.2020 को महिला पॉलीटेक्निक, गोरखपुर और बस्ती में किया गया। इन कार्यक्रमों में क्रमशः117 लोग शामिल हुए।

गुजरात में आयोजित राष्ट्रीय स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम (एनएलएपी) में लगभग क्रमशः 126 और 171 लोगों ने भाग लिया।

NATIONAL AWARENESS PROGRAMME
BUILD THE ENTERPRISE OF YOUR DREAMS

NATIONAL AWARENESS PROGRAMME
BUILD THE ENTERPRISE OF YOUR DREAMS

COLLEGE OF ENGINEERING

NATIONAL AWARENESS PROGRAMME
BUILD THE ENTERPRISE OF YOUR DREAMS

कुम्हारी पर आयोग की पहली अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला

केट मालोन और ग्राहम इंगलफ़ील्ड, प्रसिद्ध ब्रिटिश कुम्हारों ने कन्याकुमारी में 10 कुम्हारों हेतु हाथ से मिट्टी की मोडिंग पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया।

भारत में कुम्हारी क्षेत्र में व्यापक विसतार हेतु खादी और ग्रामोद्योग आयोग (KVIC) द्वारा की गई एक अनूठी पहल में, ब्रिटिश साम्राज्य के एक सदस्य (ब्रिटिश साम्राज्य का सबसे उत्कृष्ट आदेश) केट मालोन और ग्राहम इंगलफ़ील्ड, प्रसिद्ध ब्रिटिश पॉटर्स ने कन्याकुमारी में 10 कुशल कुम्हारों के लिए मिट्टी की हाथ से ढलाई पर एक दो दिवसीय मास्टर प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया । केट और ग्राहम ने 'कुम्हार सशक्तिकरण योजना' के प्रभाव को समझने के लिए कन्याकुमारी में खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा स्थापित कुम्हारी क्लस्टर का भी दौरा किया।

केवीआईसी की पहल के बारे में बोलते हुए आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने कहा, "केट और मैं पिछले साल अक्टूबर में पहली बार मिले थे और हम दोनों इस बात पर सहमत थे कि भारत में मिट्टी के बर्तनों के उद्योग में बहुत अधिक संभावनाएं हैं लेकिन गुणवत्ता के हस्तक्षेप की जरूरत है और हमें अपने तरीके तलाशने चाहिए, ताकि इसे ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाएं।"

केवीआईसी के प्रयासों की सराहना करते हुए, केट मालोन ने कहा, "भारत के विभिन्न हिस्सों से आये 10 बहुत ही केंद्रित मास्टर कुम्हारों के लिए यह कार्यशाला आयोजित करना और उसमें प्रदर्शन करना वास्तव में मेरे लिए यह रोमांचक और दिलचस्प था। मेरा ध्यान इन कुम्हारों को अपने क्षेत्र से बाहर सोचने के लिए प्रेरित करने का था। " कुम्हारी क्षेत्र में बहुत अधिक संभावनाएं हैं जो अभी भी अप्रयुक्त हैं। मैं कुम्हारी क्षेत्र में एक अद्भुत कार्य करने के लिए केवीआईसी को बधाई देता हूं। हमारे पास सामान्य लक्ष्य हैं और कुम्हार समुदाय का समर्थन करना चाहते हैं। आशा है कि हम भविष्य में कुछ रोमांचक काम करेंगे। "

श्री सक्सेना ने आगे कहा, "आयोग ने अब तक भारत भर में लगभग 14000 इलेक्ट्रिक चाक वितरित किए हैं और 58000 से अधिक ग्रामीण कुम्हारों को लाभान्वित किया है और उन्हें क्लस्टर में विभाजित किया है, जिससे उन्हें अपने कौशल और प्रौद्योगिकी को आगे बढ़ाने में मदद मिली है। इसके अलावा, केवीआईसी लगातार बिक्री प्रदान करके अपने कुम्हार कारीगरों की मदद कर रहा है।" "ऐसी एक पहल में, KVIC के अनुरोध पर, भारतीय रेलवे ने खानपान सेवाओं के लिए टेराकोटा उत्पादों का उपयोग करने के लिए भारत भर में 400 स्टेशनों को निर्देश दिया है।"

भारत के दूरदराज के गांवों में कुम्हार अपने समय, ऊर्जा और संसाधनों के मामले में भारी निवेश करते हैं, लेकिन अन्य समकालीन रोजगार विकल्पों की तुलना में सम्मानजनक मात्रा में आय अर्जित करने में असमर्थ हैं। समाज के इस सबसे कमजोर तबके को उन्नत प्रशिक्षण और आधुनिक तकनीक मंच प्रदान करने में, केवीआईसी की कुम्हार सशक्तिकरण योजना निश्चित रूप से एक प्रभावशाली और महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

आयोग के राज्य कार्यालय, उत्तराखंड ने उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में पीएमईजीपी के तहत उद्यमियों के लिए ईडीपी प्रशिक्षण का आयोजन किया

आयोग के बहु उद्देश्यीय प्रशिक्षण केन्द्र, नदथरा, त्रिचूर में उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए भागार्थियों की बीच भारी भागीदारी और जबरदस्त प्रतिक्रिया देखवी गयी।

प्रदर्शनियां हमारे राष्ट्र के कलाकारों की सराहना करने और दुनिया को अपनी प्रतिभा दिखाने का एक तरीका है। 3 फरवरी को रुद्रपुर, उत्तराखंड में आयोजित राज्य स्तरीय पीएमईजीपी तृतीय प्रदर्शनी की झलकियां।

त्रिपुरा में खादी और ग्रामोद्योग आयोग के कुम्हार सशक्तिकरण योजना के तहत कुम्हारी कौशल विकास प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

28 फरवरी 2020 को आयोग के बहु उद्देश्यीय प्रशिक्षण केन्द्र, नदथरा, त्रिचूर में मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान आयोजित समापन/ प्रमाण पत्र वितरण समारोह।

कोडाइकनाल में होटल जर्मनी स्प्रिंग्स में पीएमईजीपी पर अभिविन्यास प्रशिक्षण एवं संगोष्ठी आयोजित

त्रिपुरा के सिपाहीजला जिले के मेलाघर में आयोजित कुम्हारी पर कौशल उन्नयन टीआरजी - 28.2.2020 से शुरू हुआ।

आयोग ने कश्मीर के स्थानीय कारीगरों को सशक्त बनाने, आजीविका पैदा कर उनके चेहरों पर मुस्कान लाने और कश्मीर में जीवन बदलने के लिए केवीआईसी ने कुम्हार सशक्तिकरण योजना के तहत ग्राम हयगम, बारामूला में 20 फरवरी से 27 फरवरी तक 7 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया।

बंजारा समाज की महिलाओं के लिए पारंपरिक हस्तशिल्प को आजीविका का स्थायी स्रोत बनाने हेतु अथक प्रयास

विजया श्रीराम पवार

विजया श्रीराम पवार बंजारा समुदाय से संबंध रखती हैं,जो विमुक्त, घुमक्कड़ जनजातियों में से एक है, और अब ज्यादातर जातियाँ बस्तियों में बसने की प्रक्रिया में है, जो प्रारम्भ में, जहाँ भी खाली जमीन पाते हैं, वही बस जाते थे। ऐसी भूमि आम तौर पर मौजूदा गांवों के बाहर उपलब्ध हैं। विशेष रूप से महाराष्ट्र (भारत) और आंध्र प्रदेश, कर्नाटक इत्यादि के आसपास के क्षेत्रों में बंजारों द्वारा बसाए गए निवास स्थान को "टांडा" नाम से जाना जाता है।

महाराष्ट्र के बीड जिले के वाडवानी तालुका (ब्लॉक) में "बावी टांडा" नामक एक बस्ती में जन्मी विजया बचपन से ही बंजारा पारंपरिक कढ़ाई की ओर आकर्षित हुई, बुजुर्ग महिलाओं के रूप में, उनके परिवार में उनकी माँ और दादी के अलावा अन्य लड़कियां और महिलाएं भी वस्त्रों में कढ़ाई कार्य करती हैं।

बस्तियों में अपने रिश्तेदारों और अन्य बंजारा महिलाओं को पारंपरिक कशीदाकारी सामग्रियाँ बनाते हुए देखकर, विजया के मन में इन वस्तुएं की बाजार में बिक्री करने का विचार आया। इन वस्तुएं की बिक्री करने के लिए कुछ प्रयास करने के पश्चात, उसने महसूस किया कि बंजारों द्वारा पारंपरिक रूप से तैयार की गई वस्तुएं में बंजारा महिलाओं के लिए आजीविका का स्रोत बनने की क्षमता है। इस प्रकार उसने स्व सहायता समूहों (एसएचजी) की कुछ महिलाओं से संपर्क किया, ताकि वे समूह के सदस्यों के लिए सक्रिय रूप से कार्य कर सके, जिससे समूह के सदस्यों को उनके स्वयं के व्यक्तिगत उपयोग के लिए और अधिक से अधिक परिवारों को पारंपरिक कढ़ाई करने के लिए शामिल किया जा सके। उनके इस प्रयास के परिणामस्वरूप, बंजारा कशीदाकारी

वस्तुओं/उत्पादों का उत्पादन बढ़ने लगा। यह उनके लिए एक नए युग की सुबह थी, वे अपनी पारंपरिक कला और शिल्प से आय का अर्जन करने के लिए उत्साहित थे, जिसके बारे में उन्होंने कभी सोचा भी नहीं था। धीरे-धीरे अधिक से अधिक बंजारा महिलाओं को इसके लिए प्रोत्साहित किया गया जिससे पारंपरिक सामग्रियाँ बनाने में वृद्धि हुई। विजया महाराष्ट्र के बीड जिले में अंबाजोगाई और पड़ोसी क्षेत्र में बड़ी संख्या में बंजारा महिलाओं की प्रेरणा का एक महत्वपूर्ण स्रोत बन गई। वास्तव में, वह अपने समुदाय की महिलाओं के लिए एक आदर्श (रोल मॉडल) बन गई है। वर्तमान में विजया बीड जिले के चार तालुका (ब्लॉक) के 99 टांडास(जातियाँ बस्तियों) में काम कर रही हैं। कुल 982 महिला कारीगर जो 90 स्व सहायता समूह (एसएचजी) के सदस्य हैं, उनके साथ काम कर रही है। उनमें से कई महिलाएं प्रति दिन 150 रु. से 225 रु. अर्जित कर रही हैं जो कि कृषि श्रम के रूप में काम करने के दौरान मजदूरी प्राप्त करने की तुलना में बहुत अधिक है।

ग्राहकों की बदलती प्राथमिकताओं को पूरा करने के लिए समकालीन डिजाइन के साथ संगत इन कला और शिल्प के संरक्षण के लिए, विजया ने महाराष्ट्र राज्य व्यावसायिक शिक्षा बोर्ड, मुंबई से कढ़ाई और फैंसी कार्य में औपचारिक तकनीकी पाठ्यक्रम में प्रमाण पत्र हासिल किया। इसके साथ वह अधिक रचनात्मक हो गई, खासकर बंजारा हस्तशिल्प से संबंधित नई डिजाइन-अवधारणाओं को विकसित करने में, वैचारिक डिजाइनों को आकार देने में और अन्य बंजारा महिलाओं को तकनीकी ज्ञान के हस्तांतरण करने के लिए कार्यप्रणाली को पूरा करने के लिए।

अब, विजया ने समकालीन डिजाइनों के साथ पारंपरिक कलाओं के उपयोग से अर्जन करने की संभावनाओं में सुधार करने के बारे में अधिक जागरूकता उत्पन्न करने की योजना बनाई। विजया द्वारा प्रेरित 700 से अधिक महिलाएं और यहां तक कि युवा पुरुष जो कि टांडा (जातियाँ बस्तियों) में रहते हैं, पारंपरिक और समकालीन डिजाइनों को ध्यान में रखते हुए बंजारा कला सीखने में आवश्यक प्रशिक्षण लेना चाहते हैं।

उसकी योजना प्रत्येक टांडा में 10-20 कारीगर तैयार करने की है और बंजारा पारंपरिक कढ़ाई और संबंधित कला और शिल्प की स्थिरता और स्थिरता के लिए बीड जिले के टांडा में कुल 7,000-20,000 कारीगर हैं। विजया के पास बंजारा पारंपरिक कढ़ाई की ब्रांडिंग करने की भी योजना है ताकि इसे एक विशिष्ट पहचान मिल सके|

बता दें कि बंजारा शिल्प की अपनी मौलिक और विशिष्ट गुण हैं, जो हाथ से की गई समृद्ध कढ़ाई है। लेकिन, अब तक स्थापित केंद्रों के माध्यम से प्रशिक्षण प्रदान करके इस अद्वितीय प्राचीन शिल्प को व्यावसायिक शोषण से बचाने के लिए संगठित तरीके से कोई प्रयास नहीं किया गया है, चूंकि यह भारत में कुछ अन्य लोक कलाओं और शिल्पों के संरक्षण के लिए किया गया है। अब तक बंजारा शिल्प (कढ़ाई का काम) संरक्षण के अभाव में तेजी से नष्ट हो रहे थे। क्योंकि कच्चे सामाग्री की उच्च लागत और इसके निर्माण के लिए आवश्यक समय, प्रयास, कौशल, धैर्य आदि की वजह से यह महंगा है। इसके विलुप्त होने का एक और महत्वपूर्ण कारण कुछ शिक्षित सदस्यों द्वारा हतोत्साहित करना है। तीसरा, बंजारा परिधान का एक पूरा सेट बहुत भारी है। जल्द ही, अगर सरकार द्वारा इसके पुनरुद्धार के लिए कुछ ठोस उपाय नहीं किए जाते हैं, तो यह पारंपरिक बंजारा शिल्प कला लुप्त हो जाएगी।

आशा है कि निकट भविष्य में विजया के निरंतर अथक प्रयासों से अद्वितीय पारंपरिक बंजारा कला और शिल्प को बढ़ावा देने और उनके संरक्षण में मदद मिलेगी और जिससे बंजारा समुदाय के आर्थिक विकास के लिए सामान्य और बंजारा महिलाओं को सतत आजीविका के अवसर मिलेंगे। विशेष रूप से सीमांत बंजारा महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के बाद, उनकी सामाजिक और राजनीतिक स्थिति में भी सुधार होगा। वे अपने पारंपरिक शिल्प और इसके विभिन्न पहलुओं पर अधिक ध्यान केंद्रित करने में सक्षम होंगे। इस विकास के प्रभाव से बंजारा पारंपरिक कढ़ाई को बढ़ावा और संरक्षण मिलेगा। यह वांछित परिदृश्य पहले से ही शुरू हो गया है जो विजया के भविष्य के प्रयासों को आगे और गति प्रदान करेगा।

परफेक्ट - मतलब, गुणवत्ता पर खरा उतरना

मुंबई रहवासी सुजाता, घरों और कार्यालयों को स्वच्छ व साफ रखने के लिए 72 प्रकार से भी अधिक स्वास्थ्यकर लिक्विड क्लीनर प्रदान करती है और इसका उद्देश्य बढ़ते उद्योग की एक छोटे से भाग पर कब्जा करना है।

जबकि भारत में स्वच्छता की अवधारणा में निरंतर वृद्धि हो रही है, कई उत्पादों को थोड़े बिलंब से बाजार में पेश किया गया, जिसका उद्देश्य घरों, कार्यालयों और स्थानीय संस्थानों के लिए लिक्विड क्लीनर प्रदान करके स्वच्छता की समस्या का समाधान करना है।

एपेक्स केमिकल इंडस्ट्रीज की प्रोपराइटर सुजाता वर्मा ने 2010 में अपने पति की मदद से इस व्यापार को प्रारंभ किया।वह एक ऐसे उत्पाद का उत्पादन करना चाहती थी जिसकी प्रत्येक घर में एक बुनियादी आवश्यकता हो, साथ ही कुछ ऐसा भी हो जिसे सीमित पूंजी में ही उत्पादित किया जा सके।

सुजाता ने अपनी मुख्य योजना पीएमईजीपी के तहत खादी और ग्रामोद्योग आयोग से 3.90 लाख रुपये की परियोजना पूंजी लेकर, प्रफेक्टके नाम से अपने उत्पाद की शुरुआत की । कुछ ही समय में यह शुरुआत 40.00 लाख रुपये से अधिक तक पहुंच गया और प्रति माह एक लाख रु. जीएसटी का भुगतान किया जाता है । इस उद्योग के माध्यम से वह अन्य 5 व्यक्तियों को रोजगार प्रदान कर रही है |'प्रफेक्ट और शासक' ब्रांड के तहत सुजाता ने अपने उत्पाद में हाथ स्वच्छ करने तथा हार्ड और सॉफ्ट सतह के लिए लिक्विड सोल्युशन भी शामिल किया |

महज 10 वीं पास सुजाता की आंखों में कई शानदार सपने थे। इसे हासिल करने के लिए, उसने अपने दम पर कुछ करने का फैसला किया और इसके लिए उसने अपने पति के साथ मिलकर काफी मेहनतकी और कई व्यापारिक मसलों पर विचार-विमर्श किया। कई सफलताओं और विफलताओं के पश्चात साबुन के इत्र के शोध के बाद, इस युगल ने लिक्विड साबुन का निर्माण करने का फैसला किया।

उन्होंने, मुंबई में 200 वर्ग फुट का कमरा किराए पर लिया और मैन्युअल उत्पादन और पैकेजिंग के साथ शुरुआत की।

दोनों ने शुरुआत में लगभग पांच उत्पादों को लॉन्च किया - एक लिक्विड हाथ धोने, एक शौचालय क्लीनर, एक फर्श क्लीनर, एक ग्लास क्लीनर और घर और कार्यालय के उपयोग के लिए एंटीसेप्टिक लिक्विड। इसी अवधि के दौरान , उन्होंने विविध प्रकार के उत्पादों और विभिन्न सुगंधों के साथ नई किस्मों की शुरुआत की। आज के दिन मार्केट में उनके 72 उत्पाद उपलब्ध हैं | उन्होंने मुंबई में सूलमउविभाग में प्रशिक्षण भी लिया।"

उन्होंने बताया कि बाजार में हमारी उत्पत्ति के बाद से, हम अपने प्रतिष्ठित संरक्षकों को उत्पाद की एक उल्लेखनीय श्रेणी प्रदान करने के लिए सक्रिय रूप से प्रतिबद्ध हैं। "

प्रेस कवरेज

श्री खुशाल दास विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय जागरूकता शिविर आयोजित

● युवाओं में बेरोजगारी समाप्त करने के लिए स्वरोजगार की महत्वपूर्ण भूमिका : दिनेश जुनेजा

हनुमानगढ़ (छाबड़ा)। आज श्री खुशाल दास विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय जागरूकता शिविर, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित किया गया। जिसमें सर्वप्रथम एसकेडी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एम.के. मड़ोतिया, कुलसचिव डॉ. राजेश करवां, डॉ. विक्रम सिंह औलख डीन फैकल्टी ऑफ एजुकेशन, डॉ. स्वाति जोशी डीन फैकल्टी ऑफ साईंस एवं खादी ग्रामोद्योग बीकानेर के मुख्य नोडल ऑफिसर श्री अजय कुमार शर्मा, लाल बहादुर शास्त्री शिक्षा समिति से श्री संदीप महिया व ताहिर शैदाई द्वारा महात्मा गांधी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर शिविर का शुभारम्भ किया गया। ...

खुशाल दास विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय जागरूकता शिविर का आयोजन

युवाओं में बेरोजगारी समाप्त करने के लिए स्वरोजगार की महत्वपूर्ण भूमिका : दिनेश जुनेजा

हनुमानगढ़। ...

तीन महीने पहले नाबालिग बालिका के अपहरण के ...

सावरकर की श्रद्धांजलि सभा आयोजित

ഫർക്കാ ഗ്രാമോദയസംഘം ഈവുമായി ചേർന്ന് ലോകവിപണിയിലേക്ക്

പയ്യന്നൂർ ഫർക്കാ ഗ്രാമോദയസംഘം ഈവുമായി ചേർന്ന് ഖാദിവസ്ത്രങ്ങളും ഉത്പന്നങ്ങളും വിൽപ്പന ചെയ്യുന്നതിന്റെ ധാരണാപത്രത്തിൽ സെക്രട്ടറി ഇ.എ.ബാലനും ഈവ് സി.ഇ.ഒ. സംഗീത അഭയനും ഒപ്പുവെക്കുന്നു

പയ്യന്നൂർ ▸ കേന്ദ്രസർക്കാറിന്റെ ഗ്രേഡിങ്ങിൽ എ പ്ലസ് വിഭാഗത്തിൽ പ്രവർത്തിക്കുന്ന പയ്യന്നൂർ ഫർക്കാ ഖാദി ഗ്രാമോദയസംഘം ലോക വിപണിയിലേക്ക്. റയ്മണ്ട്സ് ഇന്ത്യയുടെ മുൻ സി.ഇ.ഒ. റോബർട്ട് ലോബോയും തരൂസ ബാഗ് കമ്പനി സി.ഇ.ഒ. രൂപാലിയും വസ്ത്രനിർമാണമേഖലയിലെ ഈവിന്റെ (എംപവർമെന്റ് ഓഫ് വിമൻസ് എൻട്രപ്രണർഷിപ്പ്) പ്രമോട്ടർമാരായ അഭയനും സംഗീത അഭയനും പയ്യന്നൂർ ഫർക്കാ ഖാദിസംഘവുമായി ചേർന്ന് ഖാദിവസ്ത്രങ്ങളും ഉത്പന്നങ്ങളും വിൽപ്പനചെയ്യാനുള്ള ധാരണയായി.

ഫർക്കാ ഖാദി ഗ്രാമോദയസംഘം ഓഫീസിൽ നടന്ന ചടങ്ങിൽ സെക്രട്ടറി ഇ.എ.ബാലനും ഈവ് സി.ഇ.ഒ. സംഗീതാ അഭയനും ചേർന്നാണ് ധാരാണാപത്രത്തിൽ ഒപ്പിട്ടത്. പ്രസിഡന്റ് ഇ.രാമചന്ദ്രൻ, കെ.പി. ശ്രീധരൻ, സുഭാഷ് ബാബു, റെയ്മണ്ട്സ് മുൻ സി.ഇ.ഒ. റോബർട്ട് ലോബോ, രൂപാലി, അഭയൻ എന്നിവർ സംബന്ധിച്ചു.

ഫർക്കാ ഖാദി കേന്ദ്രങ്ങളം റോബർട്ട് ലോബോയും അംഗങ്ങളും സന്ദർശിച്ചു.

Scanned with CamScanner

श्री खुशाल दास विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय जागरूकता शिविर का आयोजन

युवाओं में बेरोजगारी समाप्त करने के लिए स्वरोजगार की महत्वपूर्ण भूमिका : दिनेश जुनेजा

हनुमानगढ़, 26 फरवरी। ...

एसकेडी यूनिवर्सिटी में राष्ट्रीय जागरुकता शिविर में 150 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया

भास्कर संवाददाता | हनुमानगढ़

सूरतगढ़ रोड स्थित श्री खुशाल दास यूनिवर्सिटी में बुधवार को राष्ट्रीय जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। जिसमें यूनिवर्सिटी के करीब 150 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया एवं सभी विद्यार्थियों एवं विश्वविद्यालय स्टाफ ने शिविर संचालकों द्वारा दिए गए संकल्प पत्र में अपना नाम दर्ज उपस्थिति दर्ज करवायी। समिति द्वारा सभी विद्यार्थियों को उपहार स्वरूप एक पैड, पैन और ब्रोशर दिए गए। नोडल ऑफिसर अजय कुमार शर्मा ने बताया कि सेमिनार का मुख्य उद्देश्य मौजूदा उद्यमों और नए उद्यमों के सृजन में सहायता करते हुए एमएसएमई क्षेत्र को प्रतिस्पर्धी बनाना है जिससे आज की नौजवान पीढ़ी अपना स्व-रोजगार स्थापित कर सके। इसके साथ ही ऋण सहायता, प्रौद्योगिकी सहायता, अवसंरचना विकास, कौशल विकास और विपणन सहायता उपलब्ध करता है। इस मौके पर कुलपति प्रो. एम.के. मड़ोतिया, कुलसचिव डॉ. राजेश करवां, डॉ. विक्रम सिंह औलख डीन फैकल्टी ऑफ एजुकेशन, डीन फैकल्टी ऑफ साइंस डॉ. स्वाति जोशी एवं खादी ग्रामोद्योग बीकानेर के मुख्य नोडल ऑफिसर अजय कुमार शर्मा, लाल बहादुर शास्त्री शिक्षा समिति से संदीप महिया व तहिर शैदायी, यूनिवर्सिटी चेयरमैन दिनेश जुनेजा, डॉ. पवन, डॉ. नीमा, डॉ. राजेश्याम, डॉ. मोनिका, डॉ. संजय दीक्षित, डॉ. कबीर शर्मा, डॉ. संजीव अग्रवाल, डॉ. अनिता सिंह, सुनील बिराट, अदिति शर्मा, निशा नोहेला, कुलवंत सिंह, अमरजीत सिंह, लखविन्द्र सिंह उपस्थित रहे।

Khadi India

शहद की माया, निरोग रहे काया

शहद एक पूर्ण संतुलित आहार है जो सूक्ष्म पोषक तत्वों, एंटिऑक्सिडेंट्स, स्वादिष्ट और रोगों से लड़ने वाले गुणों से भरा हुआ है।

अपने दैनिक आहार में शहद के दो चम्मच शामिल करें। प्राकृतिक तरीके से स्वस्थ रहें।

पोषण का खजाना
शहद
रोज दो चम्मच शहद

शुद्ध शहद के लिए कृपया अपने नजदीकी खादी इंडिया आउटलेट्स से संपर्क करें।

जनहित में जारी

खादी और ग्रामोद्योग आयोग

वनाधारित उद्योग
ग्रामोदय, 3, इर्ला रोड, विले पार्ले (प.), मुंबई-400 056
जानकारी के लिए संपर्क करें
ई-मेल: fbi.kvic@gov.in

www.kvic.org.in Follow us on kvicindia @kvicindia kvicindia | www.msme.gov.in Follow us on msmemse @msmemse | Download the Khadi India App from: